कक्षा पहली से पाँचवीं के लिए विशेष

हिंदी (प्रथम भाषा)

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक स्तर : 2025-26

<u>विशेष :</u>

ग्रेड के अंत तक विद्यार्थी कौन-कौन सी शिक्षण सम्प्राप्तियाँ प्राप्त करेगा, कौन सी क्षमताएँ अर्जित करेगा विद्यार्थी किस काबिल होगा ।

<u>मुख्य उद्देश्य:-</u>

प्राइमरी के पाँचवें वर्ष के अंत तक पढ़ाई का निम्नलिखित स्तर प्राप्त करने का दृष्टिकोण ध्यान में रखा जाए :-

<u>मौखिक:</u>

- बच्चों में वर्णों के मेल से अर्थपूर्ण शब्द बनाने की योग्यता का विकास करना।
- बच्चों में सही-सही ध्यान से और मंतव्य से सुन सकने की योग्यता का विकास करना, जिससे :
  - वह संदेश को सुनकर उसे ठीक ढंग से समझ सके ।
  - वह किसी वार्ता या भाषा को सुनकर इस संबंध में कुछ प्रश्नों के उत्तर दे सके।
  - भाषण या वार्ता आदि सुनकर भी अपनी रुचि की बातों की ओर आकृष्ट हो सके।
- बच्चे में प्रभावशाली ढंग से बोलने की ऐसी क्षमता उत्पन्न करना जिससे वह सही एवं अनुरूप विधि से:
  - बोली की प्रत्येक ध्वनि का अलग-अलग व सही उच्चारण करने की क्षमता अर्जित कर सके ।
  - सही-सही उच्चारण और वाक्यों को उतार-चढ़ाव के साथ बोलने की विधि सीख सके ।
  - व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य बोल सके।
  - अपने जीवन, स्कूल, घर और आस-पड़ोस के बारे में निधड़क रूप से बातचीत कर सके ।
  - साधारण कहानियाँ सुन सके ।
  - अपने द्वारा किए गए काम का संक्षेप में उल्लेख कर सके ।
  - समूह में अथवा अकेले ही किसी छोटी कविता को प्रभावशाली ढंग से सुना सके ।

- अपने विचारों को सही तथा स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने के लिए शब्दावली का चयन कर सके ।

<u>पढ़ना:</u>

➢ विद्यार्थी में ज़ोर से साफ़ स्पष्ट एवं रुचि से पढ़ाई की योग्यता पैदा करना, जिससे:-

- वह पढ़े हुए शब्दों पर उचित बल दे सके और उचित (शुद्ध) उच्चारण कर सके ।
- वह पढ़ी हुई सामग्री का अर्थ एवं मंतव्य समझ सके ।

➢ वह अर्थ ग्रहण करता हुआ उचित गति से पढ़ सके जिससे:-

- वह चुपचाप बिना होठ हिलाए पढ़ सके।
- वह पढ़ी हुई रचना के अंश में आए विचारों के संबंध में प्रश्नों के उत्तर दे सके।
- वह बाल-साहित्य व हस्त-लिखित साधारण पत्रों को पढ़ सके।
- ज्ञान और आनंद प्रदान करने वाली पुस्तकों के प्रति मन में आदर की भावना पैदा हो सके ।
- नए शब्दों और मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करना सीख सके।

<u>लिखना:</u>

➢ विद्यार्थी में उचित ढंग से स्पष्ट, सही, संक्षिप्त और प्रभावशाली ढंग से लिखने की योग्यता पैदा करना, जिससे:-

- उसे अक्षरों या वर्णों के सही रूप एवं आकार की जानकारी हो और इनको लिखने की विधि आ जाए ।
- उसे सीखे हुए शब्दों के सही वर्ण योग का ज्ञान हो ।
- उसे विराम चिह्न और उनके प्रयोग का ज्ञान हो ।
- उसे अक्षरों के आकार, तिरछेपन और बीच के स्थान का ज्ञान हो ।
- वह अभिव्यक्ति में सही शब्दों का प्रयोग कर सके ।
- उसे विचारों की संयुक्ता तथा उनको क्रमबद्ध ढंग से लिखने का ज्ञान हो ।

➢ विद्यार्थी में निजी पत्र, साधारण आवेदन पत्र लिखने की क्षमता विकसित करना, जिससे:-

- उसे आवेदन पत्र के आरंभ, मध्य, अंत एवं पता लिखने की सही विधि का ज्ञान हो सके ।
- उसे सुव्यवस्थित विचारों को अनुच्छेदों में लिखने की क्षमता प्राप्त हो ।

➢ विद्यार्थी में सृजनात्मक लेखन के लिए योग्यता पैदा करना, जिससे:-

- वह किसी वास्तविक या काल्पनिक घटना या दृश्य का वर्णन कर सके ।
- दिए हुए संकेतों से कहानी विकसित कर सके ।
- आधी कहानी को पूरा कर सके ।
- अपने विचारों को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कर सके ।

कक्षा पहली एवं दूसरी (प्रथम भाषा)

<u>नोटः–</u>

- पहली एवं दूसरी कक्षा को एक ही ग्रेड (श्रेणी) माना गया है, जिसका मिला–जुला (सांझा) एक पाठयक्रम होगा, पर सरलता के लिए इस को दो भागों में बाँट लिया गया है, अध्यापक और भी आगे इसको इकाइयों में बाँट सकते हैं।
- बच्चे के वर्तमान स्तर का निर्णय उसके उस ग्रेड में पढ़ने के समय से नहीं, अपितु विभाजित इकाइयों को सम्मुख रखकर किया जाए, उसकी प्राप्तियों के मूल्यांकन का आधार भी पहले और दूसरे भाग में संबंधित इकाइयों को पूरा करने के उपरांत उसके मानसिक स्तर और योग्यता को बनाया जाए।
- प्रत्येक श्रेणी का यह पाठ्यक्रम एक विशाल संकेत और स्तर निर्धारित करता है। ऐसा भाषा की पढ़ाई के संबंध में होना स्वाभाविक है, पाठ्य–सामग्री, शैक्षिक–अनुभव और क्रियाकलाप के विस्तार अध्यापक ने स्वयं अपने साधनों और बालक की स्कूल जाने से पहले की घरेलू अवस्था की जानकारी को सम्मुख रखकर तैयार करें प्राइमरी श्रेणियों में नए शैक्षिक अनुभव प्रदान किए जाते हैं, इन अनुभवों को एक या दो श्रेणियों में दोहराना काफ़ी होता है।

कक्षा–एक (प्रथम भाषा)
पाठ्यक्रम
शैक्षणिक स्तर : 2025–26

<u>मौखिक अभिव्यक्तिः</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वहः–

- हिंदी की सभी ध्वनियों की चित्र देखकर पहचान कर सके।
- हिंदी की मिलती–जुलती ध्वनियों की पहचान कर सके।
- हिंदी की मात्राओं की पहचान कर सके।
- अनुस्वार और अनुनासिक ध्वनियों में भेद कर सके।
- मौखिक निर्देशों को समझ सके।

- अपने परिवेश / पर्यावरण की जानकारी प्राप्त कर सके।
- घर और समाज में विचरते हुए नैतिक मूल्यों जैसे: प्रेम, सहानूभूति, आदर, परिश्रम की पहचान कर सके।
- चित्र देखकर बात कर सके।
- समूह में या व्यक्तिगत रूप से हाव-भाव सहित, उचित आरोह-अवरोह के साथ कविता का उच्चराण कर सके।

<u>पढ़ना:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- चित्र देखकर हिंदी वर्णमाला पढ़ सके।
- निर्धारित पाठय-पुस्तक में से शब्दों और वाक्यों को स्पष्ट रूप से पढ़ सके।
- अपने परिवेश से नए शब्द पढ़ सके।

<u>लिखना:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- लिखने के लिए सही मुद्रा में बैठना सीख सके।
- लिखने से संबंधित सामग्री का सही ढंग से उचित प्रयोग करने के योग्य हो सके।
- देवनागरी लिपि के चिह्नों को सही ढंग से लिखने के योग्य हो सके।
- स्पष्ट और आनुपातिक (एक सार) अक्षर लिखने के योग्य हो सके।
- शब्दों में आई ध्वनियों को अलग कर सके।
- ब्लैक बोर्ड से और पाठ्यपुस्तक में से शब्दों और वाक्यों को देख कर लिख सके।

पाठ्य-पुस्तक: हिंदी पुस्तक 1. (पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)

कक्षा-दो (प्रथम भाषा)
पाठ्यक्रम
शैक्षणिक स्तर : 2025-26

<u>मौखिक अभिव्यक्ति:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- बात सुनकर उसको सही-सही आगे बताने के योग्य हो सके।
- वक्ता की आवाज़ के उतार-चढ़ाव से ही कथनों प्रश्नों और विस्मय प्रकट करने वाले वाक्यों की पहचान कर सके।
- आवाज़ के उतार-चढ़ाव से ही खुशी, गमी, आश्चर्य, क्रोध आदि भावों की अभिव्यक्ति कर सके।
- आवाज़ के उचित-चढ़ाव, आरोह-अवरोह, हाव-भाव से समूह गान, कविता, पाठ पढ़ना, कहानी कहना आदि में भाग ले सकने के योग्य हो सके।
- बोलते समय भाषा के प्रामाणिक रूप को अपनाने की ओर प्रेरित हो।

<u>पढ़ना:</u>

- निर्धारित पाठयक्रम में से साधारण वाक्यों को ऊँचा बोलकर, उसमें प्रयुक्त विराम-चिह्नों (बल, ठहराव आदि) को बोलकर महसूस कर सके।
- ज़ोर से पढ़ते समय विराम-चिह्नों, अर्द्ध विराम, पूर्ण विराम आदि के प्रति सावधानी का प्रयोग कर सके ।
- वाक्यों को उचित और अर्थपूर्ण शब्द खंडों में बाँट सके।
- कहानियों, कथनों, वार्तालापों और कविताओं को समझ से पढ़े सके।
- जाने पहचाने शब्दों के संयुक्त अक्षरों को साथ में समझकर पढ़ सके।
- पहले सीखे हुए शब्दों के अलावा 200 से 250 तक नए शब्दों को ग्रहण कर सके, यह शब्दावली बच्चे के घर पड़ोस और स्कूल में उन वस्तुओं, घटनाओं आदि के बारे में हो जिस में बच्चों की रुचि हो।

<u>लिखना:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- लिखते समय आँखों और हाथों की हरकतों में सामंजस्य पैदा कर सके।
- वर्णों के रूप, आकार, तिरछापन और एकसारता द्वारा लिखाई में सुधार कर सके।
- पेंसिल, कलम या सलेटी से कॉपी, तख्ती, स्लेट पर स्पष्ट लिखाई के योग्य हो सके।

- छोटे और साधारण वाक्यों के श्रुतलेख और प्रतिलेखन के योग्य हो सके।
- दिए हुए शब्दों को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कर सके।

पाठ्य-पुस्तक: हिंदी पुस्तक-2 (पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)

कक्षा-तीन (प्रथम भाषा)

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक स्तर : 2025-26

मौखिक अभिव्यक्ति:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- अपने साथियों या बड़ों से बातचीत करते समय शिष्ट शब्दावली का प्रयोग कर सके।
- याद की हुई कहानी या कविता को प्रभावशाली ढंग से सुना सके।
- सुनी या पढ़ी हुई कहानियाँ अपने शब्दों में ठीक तरह से सुना सके।
- निजी अनुभवों को कहानी के रूप में सुना सके।
- आँखों देखी घटनाओं को वर्णन कर सके।
- साधारण और स्पष्ट भाषा में नित्य-प्रति के कामों के बारे में बता सके।
- उचित ठहराव, हाव-भाव, आरोह-अवरोह, प्रकट करने वाले बोली के ढंगों, विराम चिह्नों आदि का प्रयोग करते हुए बोली के मानक रूप का प्रयोग कर सके।

पढ़ना:

- उचित उच्चारण, ठहराव और बल आदि के साथ पाठ्य-पुस्तक के अनुच्छेदों को ऊँचा बोलकर पढ़ सके।
- चुपचाप मुँह में पढ़ सके, मौन पठन कर सके।
- एक या दो पूरक रीडर पढ़ने के योग्य हो सके।
- 200 से 250 तक नए शब्द सीख सके।

लिखना:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- साधारण शब्दों और वाक्यों को पाठ्य-पुस्तक में से चुनकर लिख सके।
- नए शब्द बना सके।
- नए शब्दों का वाक्य में प्रयोग कर सके।
- दैनिक जीवन में घटित घटनाओं को साधारण वाक्य में लिख सके।

- व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान प्रदान कर सके।
- मेरा घर, मेरा अध्यापक, मेरा मित्र, मेरा स्कूल, मेरी गाय आदि से संबंधित विषयों के प्रति रुचि बढ़े और वह उन्हे। छोटे-छोटे क्रमबद्ध वाक्यों में लिख सके।

पाठ्य-पुस्तक: हिंदी पुस्तक-3 (पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)

कक्षा-चार (प्रथम भाषा)

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक स्तर : 2025-26

<u>मौखिक अभिव्यक्ति:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- भाषा के सुंदर, श्रेष्ठ और शिष्ट रूप का प्रयोग कर सके।
- स्कूल या किसी अन्य सभा में भाषण कर सके।
- कहानी, चुटकले सुना सके, पहेलियाँ पूछ सके उनके उत्तर दे सके।
- स्कूल, गाँव अथवा कस्बे में घटित घटनाओं को वर्णित कर सके।
- प्रभावशाली ढंग से कविता का पठन कर सके।
- सरल वार्तालाप या भाषण मुकाबलों में भाग ले सके।
- जीवन की साधारण झाँकियों की नकल उतार सके, छोटे-छोटे नाटकों में अभिनय कर सके।
- उचित गति और बोली के बीच ठहराव, बल, हाव-भाव आदि को सही प्रयोग और बोलते समय मानक बोली का प्रयोग कर सके।

<u>पढ़ना:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- सही उच्चारण और बढ़िया ढंग से पाठ्य-पुस्तक में से वार्ता और कविता के अंशों को बोल कर पढ़ सके।
- चुपचाप, उचित तीव्र गति और ठीक समझ से पढ़ सके।
- दो पूरक रीडर पढ़ने के योग्य हो सके, रुचि के समाचार पत्र तथा बालकों के लिए लिखी गई पुस्तकों आदि को पढ़ने के प्रति प्रेरित हो सके।
- पहले लिखे हुए शब्दों के अतिरिक्त 200 से 250 तक नए शब्द सीख सके।
- शब्दकोश प्रयोग के लिए प्रेरित करना ताकि वह शब्दकोष का सही ढंग से प्रयोग कर सके।

<u>लिखना:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- श्रुतलेख लिखने के योग्य हो सके।
- पढ़े हुए पाठ से साधारण प्रश्नों के उत्तर दे सके।
- कविता की पंक्तियाँ पूरी कर सके।
- पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ लिख सके।
- संक्षिप्त वाक्य बना सके।
- मुहावरों का प्रयोग कर सके।
- व्यावहारिक व्याकरण का प्रयोग कर सके।
- चित्र देखकर समझ अनुसार वाक्य लिख सके।
- अपने शब्दों में सरल कहानियाँ लिख सके : जैसे- दो मित्र और भालू , लालची कुत्ता, प्यासा कौआ, दो बकरियाँ।
- माता-पिता, मित्रों एवं रिश्तेदारों को साधारण पत्र लिखने के योग्य हो तथा इनमें:
    - पता और पत्र लिखने की तारीख
    - पता लिखने की विधि
    - पत्र लिखने की विधि
    - पत्र के विषय में आरम्भ, विस्तार, पत्र का अंत स्पष्ट रूप से समझ सके।

पत्र

- बीमारी के कारण स्कूल के अध्यापक/ मुख्य अध्यापक / प्रधानाध्यापक को प्रार्थना पत्र।
- कोई ज़रूरी काम होने के कारण स्कूल से अवकाश लेने के लिए प्रार्थना पत्र।
- मित्र सहेली को जन्मदिन की बधाई देते हुए पत्र।
- मित्र सहेली को अपने जन्मदिन पर निमंत्रण पत्र।
- घर परिवार स्कूल मित्रता से संबंधित छोटा सा लेख लिख सके।

लेख

- मेरा मित्र
- मेरा प्रिय अध्यापक
- मेरा स्कूल
- मेरे घर का बगीचा
- मेरी माँ

पाठ्य-पुस्तक: हिंदी पुस्तक-4 (पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)